# REAM®

## Isoprothiolane 40% EC

(Systemic Fungicide)

# रीम

## आइसोप्रोथायोलेन ४० प्रतिशत ईसी

(अंर्तप्रवाही फफूंदीनाशक)

# ਰੀਮ

## ਆਈਸੋਪ੍ਰੋਥਾਇਓਲੇਨ ੪੦% ਈਸੀ

(ਅੰਤਰਦਾਹੀ ਫਫੂੰਦੀਨਾਸ਼ਕ)

Manufactured by : **Leeds Life Sciences Private Limited**
**Registered Office :** Level 15, Eros Corporate Tower, Nehru Place, New Delhi - 110019 INDIA
Tel.: +91-11-66155068, Fax : +91-11-66155221
Works : Vill Kheraganni (Raipur Rani Road) VPO Fatehgarh Tehsil-Naraingarh, District - Ambala- 134201 (Haryana)

**निर्माता: लीड्स लाईफ साइंसेस प्राइवेट लिमिटेड**
रजि. ऑफिस : लेवल १५, इरोस कॉर्पोरेट टॉवर, नेहरु प्लेस, नई दिल्ली -११००१९ भारत
टेलीफोन : +११-११-६६१५५०६८, फैक्स : +११-११-६६१५५२२१
कार्य : ग्राम खेरागन्नी (रायपुर रानी रोड) वीपीओ फतेहगढ़ तहसील-नारायणगढ़, जिला-अंबाला-१३४२०१(हरियाणा)

Marketed by :
**INDOFIL INDUSTRIES LIMITED**

**INDOFIL INDUSTRIES LIMITED**
**Regd. Office :** Kalpataru Square, 4th Floor, Kondivita Road, Off Andheri-Kurla Road, Andheri (East), Mumbai - 400 059

विक्रेता : **इंडोफिल इण्डस्ट्रीज़ लिमिटेड**
**रजि. ऑफ़िस :** कल्पतरु स्क्वेअर, ४थी मंजिल, कोन्डीविटा रोड, ऑफ अन्धेरी कुर्ला रोड, अन्धेरी (पूर्व), मुंबई-४०० ०५९

**For any complaint contact Customer Care Cell at Indofil Industries Limited, Kalpataru Square, 4th Floor, Kondivita Road, Off Andheri-Kurla Road, Andheri (East), Mumbai - 400 059.**
**Toll Free No.: 1800-120-003-004,**
**email: customercare@indofil.com**

®-Registered Trademark of INDOFIL INDUSTRIES LIMITED, Mumbai, India.

**Warranty:** Since the use of the product is beyond our control we cannot assume any responsibility other than for the uniform quality of the product.

# REAM®

## Isoprothiolane 40% EC

(Systemic Fungicide)

Isoprothiolane 40% EC (Ream 40 EC) is a systemic fungicide approved for the control of blast disease in rice crop.

**Recommendation :**

| Crop (s) | Common Name of Pest | Dosage/HA | | Dilution in water (Ltr) | Waiting Period between last spray to harvest (days) |
|---|---|---|---|---|---|
| | | AI (gm) | Formu-lation (ml) | | |
| Rice | Blast | 300 | 750 | 500-1000 | 60 |

**Direction of Use :** Use a knapsack sprayer, foot sprayer, compression knapsack sprayer, compression knapsack battery sprayer or ASPEE-HTP sprayer.

**Precaution :** 1.Keep away from foodstuffs, empty foodstuff containers and animals feed. 2.Avoid contact with mouth, eyes and skin. 3. Avoid inhalation of the spray mist. Spray in the direction of wind. 4. Wash thoroughly the contaminated clothes and parts of the body after spraying. 5.Do not smoke, drink, eat and chew anything while spraying. 6.Wear full protective clothing while mixing and spraying.

**Symptoms of Poisoning :** Nervousness, anxiety, tremor, convulsions and allergic manifestations may occur.

**First Aid :** 1.If swallowed, induce vomiting by tickling the back of throat. Repeat it until the vomitus is clear. Do not induce vomiting if the patient is unconscious. 2.If clothing and skin are contaminated, remove the clothes and wash the contaminated skin with copious amount of soap and water. 3.If eyes are contaminated, flush with plenty of saline/clean water for about 10 to15 minutes. 4.If inhaled, remove the patient to fresh air.

**Antidote :** No specific antidote is known. Treat symptomatically.

**Disposal Of Used Container :** 1.It shall be the duty of manufactures, formulators of product and operators to dispose packages or surplus materials and washing from the machine the container shall be disposed off in safe manner. So as to prevent environmental and water pollution. The packages shall be not left to prevent their re-use. packages shall be broken and burried away from habitation.

**Storage Conditions :** The packages containing the fungicides shall be stored in separate rooms or premises away from the rooms or premises used for storing other articles particularly articles of food or shall be kept in separate almirahs under lock key depending upon the nature of the fungicides. 2.The store room should be well-built, well lit, ventilated cool, dry and sufficient in dimensions to avoid contamination with vapours.

**Chemical Composition :**

| | |
|---|---|
| Isoprothiolane Tech. (based on 96% w/w a.i.) | 42.00% w/w |
| Emulsifier (Anionic Dodecyl Benzene Sulphonic acid Cal. Salt and Non ionic styrinated phenol ethylene oxide condensate) | 8.00% w/w |
| Solvent (aromex/Xylene) | 50.00% w/w |
| **Total** | **100.000%w/w** |

**Caution : Not to be used on crops other than specified on this label/leaflet.**

# रीम

## आइसोप्रोथायोलेन ४० प्रतिशत ईसी

(अंर्तप्रवाही फफूंदीनाशक)

आइसोप्रोथायोलेन ४० प्रतिशत ईसी एक अन्तरप्रवाही फफूंदीनाशक है जो केवल धान के झोंका रोग की रोकथाम करता है।

**उपयोग :** रीम ४० ईसी की बतायी गयी मात्रा का प्रयोग करने पर फसल पर कोई बुरा असर नही होता है ।

| फसल | कीट के नाम | प्रति हैक्टेयर मात्रा | | पानी की मात्रा (लीटर) | अन्तिम छिड़काव तथा फसल काटने के बीच अन्तराल (दिन) |
|---|---|---|---|---|---|
| | | स.तत्व (ग्राम) | संरचना (मि.ली.) | | |
| धान | झोंका रोग | ३०० | ७५० | ५००-१००० | ३० |

**उपयोग के लिए निर्देश :** पीठ पर लादकर चलाये जाने वाला छिड़काव कारक, पीठ पर लादकर चलाने वाला दबाव छिड़काव कारक, बैटरी चलित छिड़काव कारक तथा ए.एस.पी.ई.ई. - एच. टी.पी. शक्ति चलित छिडकाव कारक का उपयोग छिड़काव के लिए करें ।

**प्रयोगकर्ताओं के लिए सावधानियाँ :** १.खाद्यसामग्री, खाद्य सामग्री के खाली बर्तन और पशुओ के चारे से दूर रखें । २.मुंह, त्वचा और आंखों के सम्पर्क से बचायें । ३.छिड़काव की वाष्प को सांस द्वारा अन्दर जाने से बचायें । हवा की दिशा मे छिड़काव करें । ४.छिडकाव के बाद दूषित कपडो और शरीर के अंगो को अच्छी तरह धोएं । ५. छिड़काव के समय धूम्रपान, खाना, पीना और कुछ चबाना नहीं चाहिए । ६. छिड़काव करते या मिलाते समय पूर्ण सुरक्षात्मक कपडे पहनें ।

**विष के लक्षण :** घबराहट, कंपकंपी, उत्सुकता, ऐंठन और एलर्जी के लक्षण आ सकते है ।

**प्राथमिक चिकित्सा :** १.यदि निगल जाये तो गले के पीछे गुदगुदी करके उल्टी करायें यह क्रिया तब तक दोहराते रहे जब तक उल्टी द्वारा निकला पदार्थ साफ न हो जाए । यदि मरीज बेहोश हो तो उल्टी न करायें । २.यदि कपडे और त्वचा दूषित हो जाए तो दूषित कपडे उतार दें और त्वचा को काफी मात्रा में साबुन और पानी से धोएं । ३.यदि आंखे दूषित हो जाये तो उनको काफी मात्रा में सैलाइन/साफ पानी से लगभग १०-१५ मिनट तक धोएं । ४.यदि सांस द्वारा अन्दर गया हो तो रोगी को शुद्ध हवा में ले जायें ।

**विष नाशक :** कोई विशिष्ट विष नाशक नही है लक्षणानुसार इलाज करें ।

**खाली डिब्बों का निपटारा :** १.निर्माताओ उपयोगकर्ता का कर्तव्य है कि खाली डिब्बो को तोड कर आबादी से दूर जमीन मे गाड दें । २.प्रयोग किये हुऐ डिब्बों को दुबारा प्रयोग मे लिए बाहर न छोडें । ३.डिब्बों या बची सामग्री या धोवन का निपटारा इस प्रकार करें कि आसपास की चीजे, पानी प्रदूषित न हों ।

**संग्रहण की शर्ते :** १.कीटनाशक के डिब्बों का अलग कमरो में अथवा ऐसे कमरों में जो कि अन्य पदार्थ विशेषकर खाद्य पदार्थ रखने वाले कमरों से दूर अथवा अलग अलमारियों में ताला लगाकर फफूंदीनाशक की मात्रा एवं हिसाब से रखना चाहिये । २. भण्डारण का कमरा उचित आकार का खुला, हवादार एवं रोशनीदार होना चाहिये । भण्डारण का कमरा शुष्क एवं ठंडा होना चाहिये।

**रासायनिक संरचना :**

| | |
|---|---|
| आईसोप्रोथायोलेन न्यूनतम १६ शुद्धता के आधार पर | ४२.००%भार/भार |
| इमलसीफायर (अनायकिक तथा नानआयनिक का मिश्रण) डोडेजाईल बेनजीन सल्फोनिक ऐसिड कैल्शियम, सट्राइनेटिड फिनोल एथलीन आक्साइड कन्डेनसेट) | ८.००%भार/भार |
| घोलक जाइलीन/एरोमेक्स | ५०.००%भार/भार |
| **योग** | **१००.०००%भार/भार** |

**चेतावनी : इस लेबल / पत्रिका में निर्देशित किये गये फसलों के अलावा अन्य फसलों पर इस्तेमाल ना करें ।**

# रीम

## आयसोप्रोथायोलेन ४०% ईसी

(आंतरप्रवाही फुंगनाशक)

आईसोप्रोथायोलेन ४०% ईसी (रीम ४० ईसी) एक आंतरप्रवाही फुंगनाशक है, जे डांगरना पाऽमां ब्लास्ट रोगना नियंत्रण माटे उपयोग करवामां आवे छे.

**भलामण :**

| पाऽ (क्षेत्र) | डीटक्रोनां सामान्य नाम | मात्रा/हेक्टर | | मिश्रण माटे पाणी (लीटर) | छेल्ला छंटकाथी लणवाणी सुधीनो प्रतीक्षा समय (दिवसोमां) |
|---|---|---|---|---|---|
| | | स.ध. (ग्राम) | झेमुलेशन (मि) | | |
| डांगर | ब्लास्ट | ३०० | ७५० | ५००-१००० | ३० |

**उपयोग अंगे निर्देश:** नॅपसॅक स्प्रेयर, फूट स्प्रेयर, कम्प्रेशन नॅपसॅक स्प्रेयर, कम्प्रेशन नेपसेक बॅटरी स्प्रेयर अथवा अस्पी-એચટીપી સ્પ્રેયરનો ઉપયોગ કરો.

**सावधानी :** १. अन्नपदार्थाथासून, अन्नपदार्थाच्या रिकाम्या डब्यांपासून आणि पशुखाद्यापासून दूर ठेवा. २. तोंड, डोळे व त्वचेशी थेट संपर्क टाळा. ३. फवारणीचे शिंतोडे श्वासावेटे आत घेतले जाणार नाहीत याकडे लक्ष द्या. वाऱ्याच्या दिशेने फवारणी करा. ४. फवारणीनंतर, प्रदूषित झालेले कपडे आणि शरीराचे भाग नीट स्वच्छ धुवा. ५. फवारणी करताना धूम्रपान करू नका, काहीही खाऊ, पिऊ नका व चघळू नका. ६. मिश्रण करताना आणि फवारताना पूर्ण संरक्षक कपडे वापरा.

**विषबाधेची लक्षणे :** अस्वस्थ वाटणे, थरथरणे, झटके येणे व ॲलर्जीची लक्षणे दिसून येणे.

**प्रथमोपचार :** १. जर गिळले गेले असेल, तर घशाच्या मागच्या बाजूला बोटाने खाजवून उलटी करायला लावा. उलटी स्वच्छ येईपर्यंत हे पुन्हा पुन्हा करत राहा. जर रुग्ण बेशुद्ध असेल तर उलटी करायला लावू नका. २. जर कपडे व त्वचा प्रदूषित झाले असतील, तर कपडे काढून टाका व प्रदूषित झालेली त्वचा भरपूर साबण व पाणी वापरून स्वच्छ धुवा. ३. जर डोळे प्रदूषित झाले असतील तर मिठाच्या/ स्वच्छ पाण्याने सुमारे १० ते १५ मिनिटे धुवा. ४. जर श्वासावेटे आत घेतले गेले असेल तर रुग्णाला बाहेरील ताज्या हवेत आणा.

**विषबाधेवर उतारा :** कोणताही विशिष्ट उतारा माहीत नाही. लक्षणांनुसार उपचार करा.

**वापरलेल्या डब्यांची विल्हेवाट :** १. पॅकेजेस व उरलेल्या साहित्याची व मशीनमधून आलेल्या द्रावणाची विल्हेवाट लावण्याची जबाबदारी उत्पादनाचे उत्पादक, फॉरम्युलेटर्स आणि ऑपरेटर्स यांची असेल. डब्यांची विल्हेवाट सुरक्षित पद्धतीनेच लावली पाहिजे म्हणजे पर्यावरणाचे आणि पाण्याचे प्रदूषण टाळता येईल. पॅकेजेस पुन्हा वापरली जाऊ नयेत म्हणून ती इकडे तिकडे टाकू नयेत. पॅकेजेसचे तुकडे करून ती माणसांच्या वस्तीपासून दूर नेऊन पुरावीत.

**साठवणुकीची स्थिती :** बुरशीनाशकांच्या स्वरूपानुसार, बुरशीनाशक असलेले पॅकेजेस स्वतंत्र खोल्यांमध्ये किंवा अशा ठिकाणी ठेवली पाहिजेत जी इतर पदार्थ साठवण्याच्या, विशेषत: अन्नपदार्थ साठवण्याच्या जागेपासून दूर असतील किंवा ती स्वतंत्र कपाटात, कुलुपात ठेवली पाहिजेत. २. साठवणुकीची खोली भक्कम बांधणी असलेली, चांगला उजेड असलेली, हवा येणारी, थंड, कोरडी आणि पुरेशा मोठ्या आकाराची असली पाहिजे, म्हणजे वाफांमुळे प्रदूषण होणार नाही.

**रासायनिक संरचना :**

| | |
|---|---|
| आयसोप्रोथायोलेन टेक (९६% भार/भार ए.आय. वर आधारित) | ४२.००% भार/भार |
| इमल्सिफायर (ॲनिओनिक डोडेसील बेंझीन सल्फोनिक ॲसिड कॅल. सॉल्ट व नॉन आयोनिक स्टायरिनेटेड फेनोल इथायलीन ऑक्साइड कंडेन्सेट) | ८.००% भार/भार |
| सॉल्वेंट (अ़ेरोमेक्स/ झायलीन) | ५०.००% भार/भार |
| **कुल** | **१००.००% भार/भार** |

**चेतावणी: आ लेबल अने परिपत्र उपर दर्शाव्या सिवायना पाको पर आ रसायानो उपयोग न करवो.**

# रीम

## आइसोप्रोथायोलेन ४०% ईसी

(आंतरप्रवाही बुरशीनाशक)

आयसोप्रोथायोलेन ४०% इसी (रीम ४० इसी) हे एक आंतरप्रवाही बुरशीनाशक असून त्याला भाताच्या पिकातील करपा (ब्लास्ट) रोगाच्या नियंत्रणासाठी मान्यता देण्यात आलेली आहे.

**वापरण्याचे प्रमाण :**

| पीक (पिके) | किडीचे सामान्य नाव | मात्रा/हेक्टर | | पाण्याचे प्रमाण (लिटर) | शेवटच्या फवारणीपासून काढणीपर्यंतचा कालावधी (दिवसांत) |
|---|---|---|---|---|---|
| | | ए.आय. (ग्रॅ) | फॉरम्युलेशन (मिली) | | |
| भात | ब्लास्ट | ३०० | ७५० | ५००-१००० | ६० |

**वापरासाठी सूचना :** नॅपसॅक स्प्रेयर, फूट स्प्रेयर, कंप्रेशन नॅपसॅक स्प्रेयर, कंप्रेशन नॅपसॅक बॅटरी स्प्रेयर किंवा आस्पी-एचटीपी स्प्रेयरचा उपयोग करा.

**सावधगिरी :** १. अन्नपदार्थापासून, अन्नपदार्थाच्या रिकाम्या डब्यांपासून आणि पशुखाद्यापासून दूर ठेवा. २. तोंड, डोळे व त्वचेशी थेट संपर्क टाळा. ३. फवारणीचे शिंतोडे श्वासावेटे आत घेतले जाणार नाहीत याकडे लक्ष द्या. वाऱ्याच्या दिशेने फवारणी करा. ४. फवारणीनंतर, प्रदूषित झालेले कपडे आणि शरीराचे भाग नीट स्वच्छ धुवा. ५. फवारणी करताना धूम्रपान करू नका, काहीही खाऊ, पिऊ नका व चघळू नका. ६. मिश्रण करताना आणि फवारताना पूर्ण संरक्षक कपडे वापरा.

**विषबाधेची लक्षणे :** अस्वस्थ वाटणे, थरथरणे, झटके येणे व ॲलर्जीची लक्षणे दिसून येणे.

**प्रथमोपचार :** १. जर गिळले गेले असेल, तर घशाच्या मागच्या बाजूला बोटाने खाजवून उलटी करायला लावा. उलटी स्वच्छ येईपर्यंत हे पुन्हा पुन्हा करत राहा. जर रुग्ण बेशुद्ध असेल तर उलटी करायला लावू नका. २. जर कपडे व त्वचा प्रदूषित झाले असतील, तर कपडे काढून टाका व प्रदूषित झालेली त्वचा भरपूर साबण व पाणी वापरून स्वच्छ धुवा. ३. जर डोळे प्रदूषित झाले असतील तर मिठाच्या/ स्वच्छ पाण्याने सुमारे १० ते १५ मिनिटे धुवा. ४. जर श्वासावेटे आत घेतले गेले असेल तर रुग्णाला बाहेरील ताज्या हवेत आणा.

**विषबाधेवर उतारा :** कोणताही विशिष्ट उतारा माहीत नाही. लक्षणांनुसार उपचार करा.

**वापरलेल्या डब्यांची विल्हेवाट :** १. पॅकेजेस व उरलेल्या साहित्याची व मशीनमधून आलेल्या द्रावणाची विल्हेवाट लावण्याची जबाबदारी उत्पादनाचे उत्पादक, फॉरम्युलेटर्स आणि ऑपरेटर्स यांची असेल. डब्यांची विल्हेवाट सुरक्षित पद्धतीनेच लावली पाहिजे म्हणजे पर्यावरणाचे आणि पाण्याचे प्रदूषण टाळता येईल. पॅकेजेस पुन्हा वापरली जाऊ नयेत म्हणून ती इकडे तिकडे टाकू नयेत. पॅकेजेसचे तुकडे करून ती माणसांच्या वस्तीपासून दूर नेऊन पुरावीत.

**साठवणुकीची स्थिती :** बुरशीनाशकांच्या स्वरूपानुसार, बुरशीनाशक असलेले पॅकेजेस स्वतंत्र खोल्यांमध्ये किंवा अशा ठिकाणी ठेवली पाहिजेत जी इतर पदार्थ साठवण्याच्या, विशेषत: अन्नपदार्थ साठवण्याच्या जागेपासून दूर असतील किंवा ती स्वतंत्र कपाटात, कुलुपात ठेवली पाहिजेत. २. साठवणुकीची खोली भक्कम बांधणी असलेली, चांगला उजेड असलेली, हवा येणारी, थंड, कोरडी आणि पुरेशा मोठ्या आकाराची असली पाहिजे, म्हणजे वाफांमुळे प्रदूषण होणार नाही.

**रासायनिक संरचना :**

| | |
|---|---|
| आयसोप्रोथायोलेन टेक (९६% भार/भार ए.आय. वर आधारित) | ४२.००% भार/भार |
| इमल्सिफायर (ॲनिओनिक डोडेसील बेंझीन सल्फोनिक ॲसिड कॅल. सॉल्ट व नॉन आयोनिक स्टायरिनेटेड फेनोल इथायलीन ऑक्साइड कंडेन्सेट) | ८.००% भार/भार |
| सॉल्वेंट (अ़ेरोमेक्स/ झायलीन) | ५०.००% भार/भार |
| **एकूण** | **१००.००% भार/भार** |

**सावधान : या लेबल/पत्रकात उल्लेख केलेल्या पिकासेरीज़ इतर पिकांसाठी वापरू नये.**

# रीम

## आईसोप्रोथायोलेन ४० प्रतिशत ईसी

(अंतरदाही फफूंदीनाशक)

आईसोप्रोथिओलेन ४० प्रतिशत ईसी (रीम ४० ईसी) एक अंतरदाही फुंगनाशक है जिस में झोंके की बीमारी के नियंत्रण के लिए अनुमोदित किया गया है।

**सिफारिशें :**

| फसल | बीट का आम नाम | ध्रुवत्व/पैक्टेयर | | पानी की मात्रा (लीटर) | दीमाघरी छिड़काव के दिवसवार पैदीक निकासा (दिन) |
|---|---|---|---|---|---|
| | | सक्रियतत्व (ग्राम) | उत्पादनीकरण (मिली) | | |
| चावल | ब्लास्ट | ३०० | ७५० | ५००-१००० | ६० |

**वरतॅ लई निरदेश:** किसे ठैपमैक सप्रेमर, फुॅट सप्रेमर, कंप्रैसन ठैपमैक सप्रेमर, कंप्रैसनठ ठैपमैक बैटरी सप्रेमर जां ASPEE-HTP सप्रेमर दी वरतॅ करो।

**सावधानी:** १. अन्नपदार्थाथासून, अन्नपदार्थाच्या रिकाम्या डब्यांपासून आणि पशुखाद्यापासून दूर ठेवा. २. तोंड, डोळे व त्वचेशी थेट संपर्क टाळा. ३. फवारणीचे शिंतोडे श्वासावेट आत घेतले जाणार नाहीत याकडे लक्ष द्या. वाऱ्याच्या दिशेने फवारणी करा. ४. फवारणीनंतर, प्रदूषित झालेले कपडे आणि शरीराचे भाग नीट स्वच्छ धुवा. ५. फवारणी करताना धूम्रपान करू नका, काहीही खाऊ, पिऊ नका व चघळू नका. ६. मिश्रण करताना आणि फवारताना पूर्ण संरक्षक कपडे वापरा.

**विषबाधेची लक्षणे :** अस्वस्थ वाटणे, थरथरणे, झटके येणे व ॲलर्जीची लक्षणे दिसून येणे.

**प्रथमोपचार :** १. जर गिळले गेले असेल, तर घशाच्या मागच्या बाजूला बोटाने खाजवून उलटी करायला लावा. उलटी स्वच्छ येईपर्यंत हे पुन्हा पुन्हा करत राहा. जर रुग्ण बेशुद्ध असेल तर उलटी करायला लावू नका. २. जर कपडे व त्वचा प्रदूषित झाले असतील, तर कपडे काढून टाका व प्रदूषित झालेली त्वचा भरपूर साबण व पाणी वापरून स्वच्छ धुवा. ३. जर डोळे प्रदूषित झाले असतील तर मिठाच्या/ स्वच्छ पाण्याने सुमारे १० ते १५ मिनिटे धुवा. ४. जर श्वासावेटे आत घेतले गेले असेल तर रुग्णाला बाहेरील ताज्या हवेत आणा.

**विषबाधेवर उतारा :** कोणताही विशिष्ट उतारा माहीत नाही. लक्षणांनुसार उपचार करा.

**वापरलेल्या डब्यांची विल्हेवाट :** १. पॅकेजेस व उरलेल्या साहित्याची व मशीनमधून आलेल्या द्रावणाची विल्हेवाट लावण्याची जबाबदारी उत्पादनाचे उत्पादक, फॉरम्युलेटर्स आणि ऑपरेटर्स यांची असेल. डब्यांची विल्हेवाट सुरक्षित पद्धतीनेच लावली पाहिजे म्हणजे पर्यावरणाचे आणि पाण्याचे प्रदूषण टाळता येईल. पॅकेजेस पुन्हा वापरली जाऊ नयेत म्हणून ती इकडे तिकडे टाकू नयेत. पॅकेजेसचे तुकडे करून ती माणसांच्या वस्तीपासून दूर नेऊन पुरावीत.

**साठवणुकीची स्थिती :** बुरशीनाशकांच्या स्वरूपानुसार, बुरशीनाशक असलेले पॅकेजेस स्वतंत्र खोल्यांमध्ये किंवा अशा ठिकाणी ठेवली पाहिजेत जी इतर पदार्थ साठवण्याच्या, विशेषत: अन्नपदार्थ साठवण्याच्या जागेपासून दूर असतील किंवा ती स्वतंत्र कपाटात, कुलुपात ठेवली पाहिजेत. २. साठवणुकीची खोली भक्कम बांधणी असलेली, चांगला उजेड असलेली, हवा येणारी, थंड, कोरडी आणि पुरेशा मोठ्या आकाराची असली पाहिजे, म्हणजे वाफांमुळे प्रदूषण होणार नाही.

**रासायनिक संरचना :**

| | |
|---|---|
| आयसोप्रोथायोलेन टेक (९६% भार/भार ए.आय. वर आधारित) | ४२.००% भार/भार |
| इमल्सिफायर (ॲनिओनिक डोडेसील बेंझीन सल्फोनिक ॲसिड कॅल. सॉल्ट व नॉन आयोनिक स्टायरिनेटेड फेनोल इथायलीन ऑक्साइड कंडेन्सेट) | ८.००% भार/भार |
| सॉल्वेंट (अ़ेरोमेक्स/ झायलीन) | ५०.००% भार/भार |
| **कुल** | **१००.००% भार/भार** |

**चेतावणी: આ લેબલ અને પરિપત્ર ઉપર દર્શાવ્યા સિવાયના પાકો પર આ રસાયાનો ઉપયોગ ન કરવો.**

# ریم

## آئسوپروتھیولین ۴۰ فیصد ایسی

(سرحدی فنگیسائڈ)

آئسوپروتھیولین 40% ایسی (ریم 40 ایسی) ایک داخلی فنگیسائڈ ہے جو چاول کے جھونکا بیماری کے کنٹرول کے لئے منظور شدہ ہے۔

**سفارشات:**

| فصل(ز) | عام کیڑے کا نام | مقدار/ہیکٹر | | پانی میں حل کرنے کی مقدار (لیٹر) | آخری سپرے کی فصل کاٹنے تک کا وقفہ (دن) |
|---|---|---|---|---|---|
| | | ا.ج (گرام) | فارمولیشن (ملی لیٹر) | | |
| چاول | بلاسٹ | ۳۰۰ | ۷۵۰ | ۵۰۰-۱۰۰۰ | ۶۰ |

**استعمال کا طریقہ:** کمر پر لادنے والا پمپ، پاؤں سے چلنے والا پمپ، کمپریشن کمر پر لادنے والا پمپ یا اسپی-ایچ ٹی پی پمپ استعمال کریں۔

**احتیاطی تدابیر:** ۱۔ خوراک، خالی خوراک کے برتن اور جانوروں کے چارے سے دور رکھیں۔ ۲۔ منہ، آنکھوں اور جلد سے رابطہ سے بچائیں۔ ۳۔ سپرے کی بخارات سے بچائیں۔ ہوا کی سمت میں سپرے کریں۔ ۴۔ سپرے کرتے وقت یا بعد میں آلودہ کپڑوں اور جسم کے حصوں کو اچھی طرح سے دھو لیں۔ ۵۔ سپرے کرتے وقت نہ پیئیں، نہ کھائیں اور نہ چبائیں۔ ۶۔ مکمل حفاظتی کپڑے پہنیں۔

**زہر کے اثرات:** گھبراہٹ، تجسس، اضطراب، اینٹھن اور الرجی کے اثرات ہو سکتے ہیں۔

**فوری امداد:** ۱۔ اگر نگل لیا جائے تو گلے کے پیچھے گدگدی کر کے قے کروائیں۔ یہ عمل اس وقت تک دہرائیں جب تک قے صاف نہ ہو جائے۔ اگر مریض بے ہوش ہو تو قے نہ کروائیں۔ ۲۔ اگر کپڑے اور جلد آلودہ ہو جائیں تو کپڑے اتار دیں اور آلودہ جلد کو صابن اور پانی سے دھو دیں۔ ۳۔ اگر آنکھیں آلودہ ہو جائیں تو انہیں 10 سے 15 منٹ تک صاف پانی یا سیلائن سے دھوئیں۔ ۴۔ اگر سانس میں آلودگی آ جائے تو مریض کو تازہ ہوا میں لے جائیں۔

**تریاق:** کوئی مخصوص تریاق دستیاب نہیں ہے۔ علامات کے مطابق علاج کریں۔

**استعمال شدہ کنٹینر کا نپٹارا:** ۱۔ کنٹینر کا ذمہ دار مینوفیکچرر، فارمولیٹر اور آپریٹر کو ہے کہ پیکیجز یا فالتو مواد اور مشین سے دھلائی کو محفوظ طریقے سے ٹھکانے لگائے۔ ماحول اور پانی کی آلودگی سے بچنے کے لئے کنٹینر کو دوبارہ استعمال سے روکنے کے لئے توڑ دیں اور آبادی سے دور دفن کر دیں۔

**ذخیرہ کی شرائط:** ۱۔ فنگیسائڈ کے کنٹینر کو الگ کمروں یا احاطوں میں رکھیں، خاص طور پر خوراک کے لئے استعمال ہونے والے کمروں سے دور، یا فنگیسائڈ کی نوعیت کے مطابق الگ الماری میں تالے کے ساتھ رکھیں۔ ۲۔ ذخیرہ کا کمرہ اچھی طرح بنا ہوا، روشن، ٹھنڈا، خشک اور کافی جگہ والا ہو تاکہ بخارات سے آلودگی نہ ہو۔

**کیمیائی ترکیب:**

| | |
|---|---|
| آئسوپروتھیولین ٹیک (96% w/w a.i. پر مبنی) | 42.00% w/w |
| ایملسیفائر (ایمونیکل ڈوڈیسائل بینزین سلفونک ایسڈ کیلشیم نمک اور نان آئونک سٹائرینیٹڈ فینول ایتھلین اوکسائڈ کنڈینسیٹ) | 8.00% w/w |
| سالوینٹ (ارومیکس/زائلین) | 50.00% w/w |
| **کل** | **100.000% w/w** |

**انتباہ: صرف لیبل/کتابچہ میں ظاہر کئے گئے پودوں کے علاوہ دوسرے پودوں پر استعمال نہ کریں۔**

# ریم

## آئسوپروتھیولین ۴۰ فیصد ایسی

(سرحدی فنگیسائڈ)

آئسوپروتھیولین 40% ایسی (ریم 40 ایسی) ایک داخلی فنگیسائڈ ہے جو صرف دھان کے جھونکا بیماری کے کنٹرول کے لئے منظور شدہ ہے۔

**سفارشات:**

| فصل(ز) | عام کیڑے کا نام | مقدار/ہیکٹر | | پانی میں حل کرنے کی مقدار (لیٹر) | آخری سپرے کی فصل کاٹنے تک کا وقفہ (دن) |
|---|---|---|---|---|---|
| | | ا.ج (گرام) | فارمولیشن (ملی لیٹر) | | |
| دھان | بلاسٹ | ۳۰۰ | ۷۵۰ | ۵۰۰-۱۰۰۰ | ۶۰ |

**استعمال کا طریقہ:** کمر پر لادنے والا پمپ، پاؤں سے چلنے والا پمپ، کمپریشن کمر پر لادنے والا پمپ یا اسپی-ایچ ٹی پی پمپ استعمال کریں۔

**احتیاطی تدابیر:** ۱۔ خوراک، خالی خوراک کے برتن اور جانوروں کے چارے سے دور رکھیں۔ ۲۔ منہ، آنکھوں اور جلد سے رابطہ سے بچائیں۔ ۳۔ سپرے کی بخارات سے بچائیں۔ ہوا کی سمت میں سپرے کریں۔ ۴۔ سپرے کرتے وقت یا بعد میں آلودہ کپڑوں اور جسم کے حصوں کو اچھی طرح سے دھو لیں۔ ۵۔ سپرے کرتے وقت نہ پیئیں، نہ کھائیں اور نہ چبائیں۔ ۶۔ مکمل حفاظتی کپڑے پہنیں۔

**زہر کے اثرات:** گھبراہٹ، تجسس، اضطراب، اینٹھن اور الرجی کے اثرات ہو سکتے ہیں۔

**فوری امداد:** ۱۔ اگر نگل لیا جائے تو گلے کے پیچھے گدگدی کر کے قے کروائیں۔ یہ عمل اس وقت تک دہرائیں جب تک قے صاف نہ ہو جائے۔ اگر مریض بے ہوش ہو تو قے نہ کروائیں۔ ۲۔ اگر کپڑے اور جلد آلودہ ہو جائیں تو کپڑے اتار دیں اور آلودہ جلد کو صابن اور پانی سے دھو دیں۔ ۳۔ اگر آنکھیں آلودہ ہو جائیں تو انہیں 10 سے 15 منٹ تک صاف پانی یا سیلائن سے دھوئیں۔ ۴۔ اگر سانس میں آلودگی آ جائے تو مریض کو تازہ ہوا میں لے جائیں۔

**تریاق:** کوئی مخصوص تریاق دستیاب نہیں ہے۔ علامات کے مطابق علاج کریں۔

**استعمال شدہ کنٹینر کا نپٹارا:** ۱۔ کنٹینر کا ذمہ دار مینوفیکچرر، فارمولیٹر اور آپریٹر کو ہے کہ پیکیجز یا فالتو مواد اور مشین سے دھلائی کو محفوظ طریقے سے ٹھکانے لگائے۔ ماحول اور پانی کی آلودگی سے بچنے کے لئے کنٹینر کو دوبارہ استعمال سے روکنے کے لئے توڑ دیں اور آبادی سے دور دفن کر دیں۔

**ذخیرہ کی شرائط:** ۱۔ فنگیسائڈ کے کنٹینر کو الگ کمروں یا احاطوں میں رکھیں، خاص طور پر خوراک کے لئے استعمال ہونے والے کمروں سے دور، یا فنگیسائڈ کی نوعیت کے مطابق الگ الماری میں تالے کے ساتھ رکھیں۔ ۲۔ ذخیرہ کا کمرہ اچھی طرح بنا ہوا، روشن، ٹھنڈا، خشک اور کافی جگہ والا ہو تاکہ بخارات سے آلودگی نہ ہو۔

**کیمیائی ترکیب:**

| | |
|---|---|
| آئسوپروتھیولین ٹیک (96% w/w a.i. پر مبنی) | 42.00% w/w |
| ایملسیفائر (ایمونیکل ڈوڈیسائل بینزین سلفونک ایسڈ کیلشیم نمک اور نان آئونک سٹائرینیٹڈ فینول ایتھلین اوکسائڈ کنڈینسیٹ) | 8.00% w/w |
| سالوینٹ (ارومیکس/زائلین) | 50.00% w/w |
| **کل** | **100.000% w/w** |

**انتباہ: صرف لیبل/کتابچہ میں ظاہر کئے گئے پودوں کے علاوہ دوسرے پودوں پر استعمال نہ کریں۔**

# ریم

## ایسوپروتھیولین ۴۰% ایسی

(ڈیلیگیٹ فنگیسائڈ)

ایسوپروتھیولین ۴۰% ایسی (ریم ۴۰ ایسی) ایک داخلی فنگیسائڈ ہے جو چاول کے جھونکا بیماری کے کنٹرول کے لئے منظور شدہ ہے۔

**سفارشات:**

| فصل(ز) | عام کیڑے کا نام | مقدار/ہیکٹر | | پانی میں حل کرنے کی مقدار (لیٹر) | آخری سپرے کی فصل کاٹنے تک کا وقفہ (دن) |
|---|---|---|---|---|---|
| | | ا.ج (گرام) | فارمولیشن (ملی لیٹر) | | |
| چاول | بلاسٹ | ۳۰۰ | ۷۵۰ | ۵۰۰-۱۰۰۰ | ۶۰ |

**استعمال کا طریقہ:** کمر پر لادنے والا پمپ، پاؤں سے چلنے والا پمپ، کمپریشن کمر پر لادنے والا پمپ یا اسپی-ایچ ٹی پی پمپ استعمال کریں۔

**احتیاطی تدابیر:** ۱۔ خوراک، خالی خوراک کے برتن اور جانوروں کے چارے سے دور رکھیں۔ ۲۔ منہ، آنکھوں اور جلد سے رابطہ سے بچائیں۔ ۳۔ سپرے کی بخارات سے بچائیں۔ ہوا کی سمت میں سپرے کریں۔ ۴۔ سپرے کرتے وقت یا بعد میں آلودہ کپڑوں اور جسم کے حصوں کو اچھی طرح سے دھو لیں۔ ۵۔ سپرے کرتے وقت نہ پیئیں، نہ کھائیں اور نہ چبائیں۔ ۶۔ مکمل حفاظتی کپڑے پہنیں۔

**زہر کے اثرات:** گھبراہٹ، تجسس، اضطراب، اینٹھن اور الرجی کے اثرات ہو سکتے ہیں۔

**فوری امداد:** ۱۔ اگر نگل لیا جائے تو گلے کے پیچھے گدگدی کر کے قے کروائیں۔ یہ عمل اس وقت تک دہرائیں جب تک قے صاف نہ ہو جائے۔ اگر مریض بے ہوش ہو تو قے نہ کروائیں۔ ۲۔ اگر کپڑے اور جلد آلودہ ہو جائیں تو کپڑے اتار دیں اور آلودہ جلد کو صابن اور پانی سے دھو دیں۔ ۳۔ اگر آنکھیں آلودہ ہو جائیں تو انہیں 10 سے 15 منٹ تک صاف پانی یا سیلائن سے دھوئیں۔ ۴۔